जैसी नियत वैसा अल्लाह का मामला

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

हुज़ूरﷺ ने फरमाया बनु इसराइल के एक शख्स ने दुसरे शख्स से एक हज़ार दीनार उधार मांगे, उसने कहा कि गवाह लावो, जवाब दिया कि अल्लाह की गवाही काफी हे, कहा कि जमानत लावो, जवाब दिया कि अल्लाह की जमानत काफी हे, कहा तुने सच कहा, रकम की अदा करने का वकत तय हो गया, और उसने एक हज़ार दीनार गिन दिये, इसने पानी का सफर शुरू किया और अपने काम से फारिग हो गया, जब वादा पुरा होने की तारीख आयी तो ये समंदर के करीब आया कि कोई कश्ती मिल जाये तो उसमे बेठ कर जावुं और रकम अदा कर आवुं.

लेकिन कोई कश्ती नही मिली, जब देखा की वकत पर नही पोहोच सकता तो इसने एक लकडी ली, और बीच मे से

खोखली कर ली, और उसमे एक हज़ार दीनार रख दिये और एक परचा भी रख दिया, फिर मुह बंध कर दिया और अल्लाह से दुवा की ऐ परवरदिगार तुज़े अच्छी तरह इल्म हे कि मेने फला शख्स से एक हज़ार दीनार उधार कर्ज़ लिये, उसने मुज़ से जमानत मांगी मेने तुज़े दिया और इस पर वो खुश हो गया, गवाह मांगा मेने गवाह भी तुज़ को ही रखा, वो इस पर भी खुश हो गया, और अब उस वादे के पुरा होने की तारीख खतम होने को आ गई तो मेने बहुत कोशिश की मे जावुं और कर्ज़ अदा कर आवुं.

लेकिन कश्ती नही मिली, अब मे इस रकम को तुज़े सोपता हूं, और समंदर मे डालता हूं, और दुवा करता हूं, कि ये रकम उसे पोहचा दे, फिर उस लकडी को समंदर मे डाल दिया और खुद चला गया, लेकिन फिर भी कश्ती की तलाश मे रहा कि मिल जाये तो जावुं.

लेकिन हुवा ये की जिस शख्स ने इसे कर्ज़ दिया था जब उसने देखा की वकत पुरा हुवा और आज उसे आना हे तो वो भी दरिये के किनारे आकर खडा हो गया कि वो आयेगा और मेरी रकम मुज़े देगा, या किसी के हाथ भिजवायेगा मगर जब शाम हो गई, और

कोई कशती इस तरफ नही आयी तो ये वापस लोटा, किनारे पर एक लकडी देखी तो ये समज़ कर कि खाली ही जा रहा हूं इस लकडी को फाड कर सुखा लुगा, जलाने के काम आयेगी, घर जा कर जब उसे चीरा तो उसमे से दीनार बजने लगी, गीनता हे तो पूरे एक हज़ार हे, वही परची पर नजर पडती हे उसे भी उठा कर पढता हे.

फिर एक दिन वो ही शख्स आता हे और एक हज़ार दीनार पेश कर के केहता हे कि लीजये ये आप की रकम और मुज़े माफ कीजये, मेने बहुत कोशिश की, कि वादा खिलाफी ना हो लेकिन कश्ती ना मिलने की वजह से मज़बूर था, और देर हो गई, आज कश्ती मिली तो आपकी रकम लेकर हाज़िर हुवा हूं.

इसने पूछा कि किया आप ने मेरी रकम भीजवायी थी? उसने कहा मे केह चुका कि मुज़े कश्ती नही मिली, इसने कहा अपनी रकम लेकर खुश हो कर वापस चले जावो, आपने जिस रकम को लकडी मे डाल कर अल्लाह पर भरोसा कर के दरिया मे डाला था उसे अल्लाह ने मुज़ तक पोहचा दिया और मेने अपनी पूरी रकम वसुल कर ली. (मुसनदे अहमद, खुलासा).